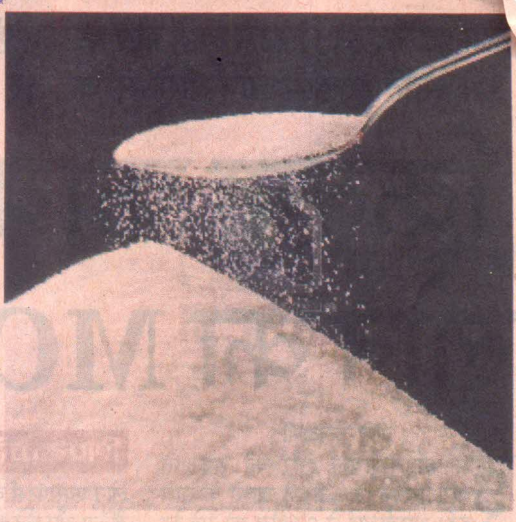

स्टॉक लिमिट की खबर के बाद चीनी के दाम में नरमी

केंद्र सरकार ने बढ़ती कीमतों को काबू करने के लिए राज्यों को दिया निर्देश

[जयश्री भोसले | पुणे]

हाजिर और वायदा बाजार में बुधवार को चीनी की कीमतों में गिरावट आई। शुगर प्राइसेज में यह कमजोरी उन रिपोर्ट्स से आई है, जिनमें कहा गया कि केंद्र सरकार ने बढ़ती कीमतों पर लगाम कसने के लिए राज्यों को इस कमोडिटी पर स्टॉक लिमिट लगाने का निर्देश दिया है। पिछले दो दिनों में चीनी की होलसेल कीमतों में करीब 3 फीसदी की तेजी आई थी, लेकिन बुधवार को इसके दाम सोमवार सुबह के स्तर पर पहुंच गए।

बॉम्बे शुगर मर्चेंट्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट अशोक जैन का कहना है, 'अगर सरकार स्टॉक लिमिट लगाती है तो शॉर्ट टर्म में चीनी की कीमतों में दबाव देखने को मिलेगा।' ट्रेडर्स का मानना है कि लॉन्ग टर्म में दालों की कीमतों की तरह शुगर प्राइसेज में मजबूती का रुख बना रहेगा। कुछ ट्रेडर्स का कहना है कि अगर सरकार चीनी की कीमतों में नियंत्रण चाहती है तो इसे मिलों की तरफ से की जाने वाली शुगर सेल को कंट्रोल करना चाहिए।

अगर सरकार स्टॉक लिमिट लगाती है तो शॉर्ट टर्म में चीनी की कीमतों पर दबाव देखने को मिलेगा

अशोक जैन
प्रेसिडेंट, बॉम्बे शुगर मर्चेंट्स एसोसिएशन

एक ट्रेडर ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया, 'चीनी मिलें आने वाले समय में दाम बढ़ने की उम्मीद में स्टॉक होल्डिंग कर रही हैं। बेहतर सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए सरकार को शुगर की मिल-स्तर पर होने वाली सेल को कंट्रोल करना चाहिए।' स्टॉक लिमिट्स की खबर आने के बाद नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज (NCDEX) में बुधवार को चीनी के मई वायदा पर 4 फीसदी का लोअर सर्किट लगा और इसके दाम 3,385 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर पहुंच गए।

मंगलवार को मई वायदा 3,526 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर बंद हुआ था। जियोफिन कॉमट्रेड की रिसर्च एनालिस्ट पल्लवी मुन्नाकर का कहना है, 'नोटिफिकेशन आने के बाद चीनी की कीमतों में और गिरावट देखने को मिल सकती है।'

ICRA की बुधवार को जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले नौ महीने में चीनी की कीमतों में 37 फीसदी का उछाल आया है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'जुलाई 2015 में चीनी की कीमतों के तीन साल के निचले स्तर 23,000 रुपये/एमटी तक पहुंचने के बाद अगस्त 2015 से इसमें तेजी का रुझान बना है। स्टॉक क्लीयरेंस, एक्सपोर्ट्स और महाराष्ट्र में गन्ने का प्रॉडक्शन कमजोर रहने के कारण चीनी के दाम में तेजी आई है।'